NORTH CENTRAL RAILWAY EMPLOYEES SANGH

Registered, Recognised & Affiliated to N.F.I.R. & I.N.T.U.C.
Central Office : 464/B, Nawab Yusuf Road, Allahabad (U.P.)

NO. 145 / NCRES / 20

दिनांक 31.7.2020

डा0 एम. राघवैय्या जी
महामंत्री, एन.एफ.आई.आर.
नई दिल्ली

विषयः– रेलवे की आय बढ़ाने के सम्बन्ध में माननीय रेलमंत्री द्वारा मांगे गये सुझाव के सम्बन्ध में।

संदर्भः– (i) NFIR का पत्र सं. IV/NFIR/RBS/2020 दिनांक 16.07.2020

महोदय,

दिनांक 16.7.2020 को वीडियो कान्फ्रेन्सिग के माध्यम से सम्पन्न रेलमंत्री के आनलाइन वर्कर संगोष्ठी में माननीय रेलमंत्री श्री पीयूष गोयल जी ने फेडरेशन/यूनियन एवं रेल कर्मचारियों से, कोविड–19 के वैश्विक महामारी के कारण पैसेन्जर बुकिंग में हो रहे रेलवे के नुकसान की भरपाई हेतु आय बढ़ाने का सुझाव मांगा था। इसके अतिरिक्त दिनांक 9 जुलाई 2020 की बैठक मे रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष ने NFIR से कहा कि वर्ष 2023 तक देश में रेलवे के फ्रेट (माल भाड़ा) आय की भागीदारी वर्तमान के 29% को बढ़ा कर 40% तक करने का लक्ष्य है।

भारत वर्ष भौगोलिक दृष्टिकोण के साथ–साथ जनसंख्या के लिहाज से भी बेहद विस्तृत है एवं वर्तमान परिदृश्य में शहरों एवं गाँवों तक आवश्यक सामग्री पहुंचाने हेतु रोड ट्रान्सपोर्ट ही प्रमुख साधन है, जिसके द्वारा देश के विभिन्न हिस्सों में हजारों ट्रक प्रतिदिन दिल्ली से हावड़ा, दिल्ली से मुम्बई आदि मेन हाईवे पर चल रहे है और इनके द्वारा भारी मात्रा में डीजल की खपत हो रही है जो न केवल पर्यावरण को प्रदूषित करता है बल्कि देश में डीजल का आयात बढ़ने से देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर भी विपरीत असर पड़ता है। NCRES का यह भी कहना है कि वर्षों से रेलवे स्टाफ, व्यापारियों और ट्रांसपोर्ट कम्पनियों से सम्पर्क कर, उन्हे रेल मार्ग से सामान भेजने के लिये प्रोत्साहित करता रहा है लेकिन इसमे अभी तक अपेक्षित सफलता नही मिल पायी है।

इस सम्बन्ध में NCRES का निम्न सुझाव हैः–

(1) अवगत कराना है कि सेना के ट्रकों को मालगाड़ी द्वारा देश के एक कोने से दूसरे कोने में ले जाया जाता है। इस सम्बन्ध में NCRES का मानना है कि यदि व्यापारियों/ट्रांसपोर्ट कम्पनियों को भी अपना सामान ट्रक सहित गंतव्य स्टेशन तक भेजने और गंतव्य स्टेशन पर उनका पूरा सामान ट्रक सहित अनलोड होने की सुविधा उन्हे मिले, ताकि वो अपने माल की डिलेवरी कर सके तो निश्चित रूप से व्यापारी और ट्रांसपोर्ट कम्पनियां रेल द्वारा अपना समान देश के एक कोने से दूसरे कोने तक भेजने के लिये आकर्षित होगे और इससे रेल की आय में बढ़ोत्तरी होगी तथा व्यापारियों को भी फायदा होगा जैसेः– उनके डीजल

की बचत होगी, टायर अधिक दिन चलेगें, ट्रक की मेन्टेनेन्स का खर्च भी बचेगा और वे कम से कम समय में अपने गतंत्व पहुंच सकेगें। इसके अतिरिक्त इस कदम से पर्यावरण को भी कम नुकसान होगा।

(2) NCRES का यह भी सुझाव है कि जल्द खराब होने वाले (Perishable) सामानों के ढुलाई के लिये रेलवे व्यापारियों को AC पार्सल कोच की सुविधा मुहैय्या करे ताकि व्यापारियों का सामान ट्रक सहित लोड और गंतव्य पर अनलोड किया जा सके, इससे व्यापारियों को लाभ होगा और रेलवे की आय बढ़ेगी।

NCRES को पूरा विश्वास है कि इस कदम से रेलवे के विजन 2023 का लक्ष्य पूरा होने में अवश्य मदद मिलेगी।

(आर. पी. सिंह)
महामंत्री